



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 301 राँची, शुक्रवार, 28 फाल्गुन, 1937 (श०)
18 मार्च, 2016 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ।

आदेश

15 फरवरी, 2016

संख्या- 5/आरोप-1-151/2014 कां०-1328--निगरानी थाना काण्ड संख्या-34/2014, दिनांक 10 नवम्बर, 2014 के नामजद अभियुक्त श्री विनोद कुमार, झा०प्र०से०, के विरुद्ध जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग के पद पर कार्यावधि में सहयोगी श्री सूरज सिंह के माध्यम से 19,000/- रुपये रिश्वत लेने संबंधी आरोपों के कारण हिरासत में भेजे जाने पर विभागीय आदेश संख्या-6310, दिनांक 15 जुलाई, 2015 द्वारा इन्हें असैनिक सेवाएँ (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1930 के नियम-49क-(2)(क) के तहत दिनांक 26 मार्च, 2015 के प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित किया गया है।

2. तत्पश्चात् श्री कुमार के जमानत पर रिहा होने के पश्चात् असैनिक सेवाएँ (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1930 के नियम-49क-(1)(क) एवं (ख) के तहत हिरासत से मुक्त

किये जाने की तिथि से आदेश सं०-6915, दिनांक 31 जुलाई, 2015 द्वारा अगले आदेश तक इन्हें पुनः निलंबित किया गया है।

3. श्री कुमार द्वारा निलंबन के विरुद्ध W.P.(S) No. 5411/2015- विनोद कुमार बनाम राज्य सरकार दायर किया गया है, जिसमें माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 10 दिसम्बर, 2015 को आदेश पारित करते हुए इनके निलंबन के सभी तथ्यों पर विचार कर आदेश पारित करने हेतु निदेश दिया गया है। यहाँ उल्लेखनीय है कि श्री कुमार के विरुद्ध दर्ज निगरानी थाना कांड संख्या-34/2014, दिनांक 10 नवम्बर, 2014 में निगरानी ब्यूरो द्वारा निगरानी न्यायालय, राँची में आरोप पत्र संख्या-10/2015, दिनांक 8 अप्रैल, 2015 दायर किया जा चुका है। सम्प्रति मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

4. W.P.(S) No. 5411/2015 में पारित न्यायादेश तथा इनके विरुद्ध आरोप पत्र दायर करने की कार्रवाई पूरी होने के आलोक में इन्हें आदेश निर्गत की तिथि से निलंबन मुक्त किया जाता है।

5. श्री कुमार के निलंबन अवधि, जिसमें हिरासत की अवधि भी शामिल है, के संबंध में इनके विरुद्ध दर्ज थाना कांड में माननीय न्यायालय द्वारा अंतिम आदेश पारित होने पर इसके आधार पर अलग से निर्णय लिया जायेगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

दिलीप तिकी,
सरकार के उप सचिव।
